

यामो
पञ्च
यामो
क ॥

ना छिन्नामि न सवा ॥ ज्ञानमासाययं चुनिच्छिन्नना लाकलवयं इदि सा जयवदिमादनासयाखीला यवयं दमा धनयुनगुरु कास्यं सावयं स दसा कपि
नयायाय मथा मुया कवंगुश्या ॥ ० ॥ आदित्य दावनि लानल ध दाहृ मिना आह दय जमध ॥ १ ॥ गुरुधनापीध उरुययमथो नेमस्य ज ॥ १
नामिनर मयवृत्ति ॥ सूर्येष्टि रीदटी गंगाष्टि अमिष्टि वृष्टिष्टि आकाश वायु ग्रनषया हद यटी जमटी दिनटी गमिटी उरुयसं धिटी धमो
हं धनस्य मसवेमानुखया वृत्ति ॥ ० ॥ सयथयिनिगुक्राम मिथावादेवलिष्टा ॥ साकिमा जननी देवी सयसखेवदामिह ॥ ० ॥ सबद

मोक्ष
नक्षत्र
यामो
यामो
नक्षत्र
मोक्ष

यवाद्या हथ मथा सुव थरुव लिथ मथा सु वृथश्व ॥ मथा सुसमाहवयका यमानश्व ॥ वास्यनयायमिया दाल्य साखिना वाकन मावयका यमा
नश्व ॥ धनमावयव संजसववाय दिवा शुद्धि साय मालश्व ॥ वायायनिदाल वाकावा साकिवा उर्वमहस्य दाल्य वाकन मावयका य
मानश्व ॥ वायायवदु रुश्वमना विवाददाकाल अवा यारिवा वायायिवा स वायावन मावयका यमानश्व ॥ धनविवाव सिद्यया रुमस
वृ अक्रिया नवदववा वृथश्व ॥ अवालि रुस्य वायवृथश्व थथिगनून ययाय मालश्व ॥ थथिगनून ययाय मालश्व ॥ ० ॥ वाकाय रुकिज ववि

साकिव
काकन
यमान

धिधिघरसाव यथा ह्नुयिह्नु मालकी कयाया लिमविवादननडास ॥ यायामदाली कियारसन सादिधाइत यामदाली ॥ दाम आदिय किवा वृदी समसाव या
 कुनगइशवा ॥ रुकिजयलकी दामसनी मागवादि क शवसनी धावीदादाली बाइवानस कनिन वडिथसीकायशवा ॥ वाययाउरुकायशवा
 कनिन कायशवा मामया उरु रुकिअथियि पदहेनी माहुलिसी दहकायशवा ॥ कनिन कायवायमइशवा सावायवा धायायवा शल्य व
 दिधिथिया ह्नुकुआ दिय दसवये वीसवये दकाल कीनमदीन शवा ॥ विमन दगावावव मालशवा ॥ माम मृत्युकशयाव मामयाविन वायने

रवत
 मावि
 यया

विमरुदियादान सावायिलीसी दकाल गुलिअगठवासी नकीड ९ विमरुदिलयइ शवा ॥ धनरावा सादिदयकाव वासीवियशवा ॥ युनकुइवया
 यावासकिवा ववनवा वियशवा ॥ वदसाधिअथनेधन वियशवा ॥ थाकादवाइनमवअयासि जाववनवमथाशवा धनरावानयासीविम
 ल्य लिहायायिनसी विवाययावमइशवा ॥ केन्या क पुहुदानवा गृह्णयिनदसोवनयथा सका लदानवा अनकन्या गिरुवत ॥ काव
 याकनीकर्ष ययनी मथिनानन वगकिदामनी कायवायन कायशवा कुयालशनालया शवा रुयाली तैदवियवमालशवा ॥ कयन लेनलिआ

ॐ
ॐ

दयाधरसामशया ॥ ० ॥ विनायकशुभुखिवा दगासासानजि श्रेय ॥ जिह्वेन विधवारुवन् ॥ कायश्चायस्वीधनदावधविन निधि
दनसालदावधविन कालवीनडावधविन धसागास
शास्यनयावृथशव सासामसालशया वापनकासा
नयनविनजि वशया ॥ लिममि सागन गमिला मी अनीया सासा साकि कशया मवनयादावधमदाशया ॥ ० ॥ दयकविद्यान विप्रेगविद्यान

2939

ASHA ARCHIVES